सप्लाई के लिए की गई संविदा के तहत सभी मद प्राप्त कर ली गई हैं। इस कम्पनी के साथ कोई नई संविदा नहीं की गई है।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठते।

भाषा संस्थानों की परियोजनाएं

1200. **श्री जगदीश प्रसाद माथुर** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय भाषाओं में कम्प्यूटर का प्रयोग संभव हो जाने से भाषा संस्थानों द्वारा कार्यान्वयन के लिये तैयार की गई दीर्घकालीन, मध्यकालीन और अल्पकालीन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है ;

(ख) उन स्थानों के नाम क्या हैं जहां भाषाविदों और कम्प्यूटर विशेषज्ञों के संयुक्त मार्गदर्शन में भाषा और विज्ञान/तकनीकी विषयों सम्बन्धी शोध कार्य किया जा रहा है और क्या इस सम्बन्ध में कोई योजना है ; और

(ग) भाषा विज्ञान और प्रौद्योगिकी सम्बन्धी शोध कार्य का प्रकाशन किस शोध पत्रिका में करने का विचार है ?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती मारग्रेट अल्वा) : (क) और (ख) इलेक्ट्रानिक विभाग के भारतीय भाषाओं के लिए प्रौद्योगिकी विकास (टी० डी० आई० एल०) कार्यक्रम के अन्तर्गत, भारतीय भाषाओं में कम्प्यूटर के प्रयोग के क्षेत्र में 29 परियोजनाएं आरम्भ की गई है। इन परियोजनाओं की अवधि परियोजना के विशिष्ट क्षेत्र के आधार पर एक से चार वर्ष के बीच है। इन परियोजनाओं के अन्तर्गत निम्नलिखित क्षेत्र शामिल है :–

--मशीनी अनुवाद प्रणाली

--ज्ञानार्जन प्रणाली

--प्राकृतिक भाषा संसाधन

--मानव-मशीन इन्टरफेस प्रणाली

इन परियोजनाओं के ब्यौरे अनुपत्र में दिए गए हैं। [देखिए परिशिष्ट 163, अनुपत्र संख्या 23]

(ग) शोधकर्ताओं को भाषा, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में अपने कार्यों को किसी भी भारतीय या अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका में प्रकाशित करने की पूरी छूट है। इस सम्बन्ध में किसी विशिष्ट पत्रिका का प्रस्ताव नहीं है।

कम्प्यूटरीकृत संस्कृत शब्दकोश

1201. **श्री प्रमोद महाजन :**
श्री जगदीश प्रसाद माथुर :
क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या संस्कृत के किसी शब्दकोष को कम्प्यूटरीकृत किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो एक कम्प्यूटरीकृत वृहत् संस्कृत शब्दकोष तैयार करने के सम्बन्ध में सरकार की क्या योजना है ?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती मारग्रेट अल्वा) : (क) जी, नहीं।

(ख) यह प्रश्न ही नहीं उठता।

(ग) इलेक्ट्रानिकी विभाग के प्रशासनिक नियन्त्रण के अन्तर्गत उन्नत अभिकलन विकास केन्द्र, पुणे नामक एक स्वायत्त संस्था उत्तरतथा दक्षिण, भारतीय और फारसी-अरबी लिप्यंतरण की सुविधाओं के अलावा विशेषक चिन्हों (रोमन लिप्यंतरण) और बलाघात (वैदिक संस्कृत के लिए) से युक्त अष्टाध्यायी (सूत्र पद) मण्ड (शब्द निर्माण), धातु पद (क्रिया निर्माण), लिपानुशासन (लिप्य) तथा शिक्षा (ध्वनि विज्ञान) के लिए पाणिनी के सूत्रों पर

आधारित संस्कृत के एक मंच (व्याकरण-संग्रह) के विकास कार्य में संलग्न है। इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिकी विभाग के भारतीय भाषाओं के लिए प्रौद्योगिकी विकास (टी०डी०आई०/एल०) कार्यक्रम के अन्तर्गत सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्व-विद्यालय, वाराणसी में मशीन में पठन योग्य रूप में भारतीय भाषाओं के पाठ के मूलतत्व के विकास की एक परियोजना भी आरम्भ की गई है।

Centre for Development of Advanced Computing

1202. SHRI RAGHAVJI :
SHRI PRAMOD MAHAJAN :

Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether there has been' any evaluation of the expected outcomes of Centre for Development of Advanced Computing vis-a-vis total investment ;*

(b) whether such an evaluation been carried out by a committee which consists of experts from private sectors as well;

(c) if not, what steps are being taken to constitute a new evaluation committee consisting of half of the experts from private sectors;

(d) what are the individual opinions of the experts in the private sector such as Wipro, HCL Limited, Tata Boro and TCS and the experts from Defence R&D organisation, Centre for Development of Telematics ; and

(e) what is the difference between the DRDO projects on parallel processing, C-DOT's and C-DAC's?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS (SHRIMATI MARGARET ALVA) : (a) Yes, Sir. The Department of Electronics had constituted a committee to carry out the mid corrse assessment of the progress of Centre OF Development of Advanced Computing (C-DAC), Pune, an autonomous registered society under the administrative control of the Department of Electronics.

(b) and (c) The Committee was composed of the officials from Government organisations/public sector enterprises. No member from private sector was included in the committee. There is no proposal to constitute a new evaluation committee.

(d) The experts from a large number of institutions including WIPRO, HCL, Tata Unisys., TCS, C-DOT and DRDO were exposed to the technical features of PARAM, the Super Computer developed by C-DAC in a presentation made in August, 1990. All the experts appreciated the capabilities of the system and other facilities developed by C-DAC.

(e) The development project of C-DOT on parallel processing is specifically directed towards two specific applications, namely, weather forecasting and radio astronomy ; while C-DAC's development work is targetted towards the development of a family of general purpose parallel processing machines with scalable architecture for high performance computing applications.

DRDO's project aims at defence applications while C-DAC's project is for general purpose applications in scientific and commercial sector.

संस्कृत विश्वविद्यालयों को कम्प्यूटर नैटवर्क से जोड़ा जाना

1203. श्री शिव प्रसाद चनपुरिया : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :—

(क) क्या भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई० आई० टी०) की तरह सभी संस्कृत विश्वविद्यालयों को कम्प्यूटर नेटवर्क से जोड़ दिये जाने के संबंध में कोई योजना है;

(ख) यदि हां, तो दिसम्बर, 1992 तक सभी संस्कृत विश्वविद्यालयों को कम्प्यूटर नेटवर्क से जोड़ने के लिए बनाई गई योजना का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या संस्कृत विश्वविद्यालयों को कम्प्यूटर नेटवर्क से जोड़ दिए जाने के पश्चात् उनका